दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)

(नैक द्वारा ए ग्रेड प्रदत्त)

यू.जी.सी. द्वारा वित्त पोषित एक-वर्षीय डिप्लोमा / दो-वर्षीय उच्च डिप्लोमा / तीन-वर्षीय बी.वोक. / दो-वर्षीय एम.वोक. के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश

भूमिका

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देश भर में 100 विश्वविद्यालयों व तकनीकी संस्थानों दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र खोलकर स्नातक व परास्नातक स्तर की शिक्षा को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया है, जिससे छात्र परम्परागत विषयों के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर अपनी कुशलता को बढ़ा सकें व समाज के लिए उपयोगी हो सकें तथा अध्ययन पश्चात् रोजगार प्राप्त कर सकें। राष्ट्रऋषि पद्मविभूषण नानाजी देशमुख की प्रेरणा से स्थापित महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपने स्थापना काल से ही व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। इसी कारण इस विश्वविद्यालय में भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.Œ) की वित्तीय सहायता से दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की स्थापना की गई है।

कौशल केन्द्र के पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप कौशल केन्द्र में 1-वर्षीय डिप्लोमा, 2-वर्षीय उच्च डिप्लोमा, 3-वर्षीय बी.वोक. व 2-वर्षीय एम.वोक. के पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके अलावा विभिन्न ट्रेडों में 1-6 माह के लघु अवधि पाठ्यक्रमों का संचालन भी किया जा रहा है।

निम्नलिखित विषयों में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम से लेकर एम.वोक. के पाठ्यक्रम संचालित हैं-

1. खाद्य प्रसंस्करण व प्रौद्योगिकी

2. नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन

3. भवन निर्माण प्रौद्योगिकी

4. कृषि प्रक्रिया प्रबंधन

5. खुदरा प्रबंधन व सूचना प्रौद्योगिकी

सभी पाठ्यक्रम सेमेस्टर व क्रेडिट आधारित हैं। 60 प्रतिशत क्रेडिट कौशल तथा 40 प्रतिशत क्रेडिट सामान्य विषयों के रखे गए हैं। व्यावहारिक शिक्षण व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के आवश्यक अंक हैं। इंटर के बाद 1 वर्ष की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूर्ण करने

के उपरांत बी.वोक. की डिग्री प्रदान किए जाने का प्रावधान है। स्नातक उत्तीर्ण 2 वर्षों में एम.वोक. उत्तीर्ण हो सकते हैं। पाठ्यक्रमों के निर्माण में राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों द्वारा विकसित योग्यता पैक का ख्याल रखा गया है। ये सभी पाठ्यक्रम कौशल स्तर 5 से 9 तक के हैं।

आयु सीमा

प्रवेश के लिए न्यूनतम् व अधिकतम् आयु का कोई बंधन नहीं है।

अर्हता

बी.वोक. हेतु किसी भी विषय से 10+2 उत्तीर्ण। भवन निर्माण व ऊर्जा विषयों में नामांकन कराने वालों को गणित का फाउन्डेशन कोर्स करना होगा। एम.वोक. हेतु किसी विषय से स्नातक तथा संबंधित ट्रेड में न्यूनतम् 1 वर्ष के आई.टी.आई. या समकक्ष प्रमाणपत्र के साथ 6 वर्ष का अनुभव अथवा डिप्लोमा के साथ 4 वर्ष का अनुभव अथवा उच्च डिप्लोमा के साथ 2 वर्ष का अनुभव। संबंधित शाखा से बी.टेक. उत्तीर्ण छात्रों के लिए अनुभव की बाध्यता नहीं। किसी शाखा से बी.टेक. उत्तीर्ण अथवा भौतिक विषय से स्नातक उत्तीर्ण एम.वोक. ऊर्जा में प्रवेश हेतु अर्ह। बी.एस.सी. कृषि उत्तीर्ण एम.वोक. कृषि में प्रवेश हेतु अर्ह।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

क्या ये सभी पाठ्यक्रम केवल व्यावसायिक शिक्षण के लिए हैंः

नहीं। व्यावसायिक शिक्षण या हुनर के साथ बी.ए./बी.एस-सी./बी.काम. के विषयों व हिन्दी, अंग्रेजी, कम्प्यूटर, पर्यावरण आदि विषयों का अध्ययन भी कराया जाता है। प्रत्येक सत्र में क्रमशः 60 व 40 प्रतिशत कौशल व सामान्य विषयों के शिक्षण की व्यवस्था है।

क्या विषयों की आजादी है?

बी.ए./बी.एस-सी./बी.काम. का कोई एक विषय अपनी मर्जी से चुना जा सकते हैं। कौशल से जुड़े विशेष विषयों को अपनी मर्जी से चुना जा सकता है।

क्या एक बार बी में पढ़ाई छोड़ देने के बाद पुनः प्रवेश मिलसकता है।

हाँ। बी.वोक. हेतु बीच में पढ़ाई छोड़ने के बाद अपने अनुकूल समय में पढ़ाई पुनः शुष् की जा सकती है तथा जितना स्तर पूर्ण हो चुका है, उतने स्तर के बाद की पढ़ाई करनी होगी। पुनः प्रवेश उससे आगे की पढ़ाई के लिए होगा।

दोहरा प्रमाण क्या है?

कौशल से संबंधित विषयों की परीक्षा क्षेत्र कौशल परिषद के प्रतिनिधियों द्वारा भी अलग से ली जाएगी तथा उत्तीर्ण होने पर प्रमाणपत्र अलग से दिया जाएगा। निर्धारित

क्रेडिट उत्तीर्ण कर लेने पर 1, 2 व 3 वर्ष के अंत में क्रमशः डिप्लोमा/उच्च डिप्लोमा/बी.वोक व एम.वोक. की डिग्री प्रदान की जाएगी।

दोहरे प्रमाणन का क्या फायदा मिलेगा?

सभी क्षेत्र कौशल परिषदों (एस.एस.सी.) द्वारा उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप अलग-अलग जाब रोल के लिए पाठ्यक्रम विकसित किये गये हैं तथा उनके द्वारा ए गए प्रमाणपत्र में इस बात का उल्लेख होगा कि छात्र किस स्तर व किस जाब रोल के लिए उपयुक्त है। सन् 2018 से सभी प्रकार के उद्योगों, निजी व सरकारी, में नौकरी के लिए यह पमाणन आवश्यक कर दिया गया है अर्थात एस.एस.सी. द्वारा प्रमाणित व्यक्ति ही अर्ह होगा।

कौशल स्तर क्या है?

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के हिसाब से कौशल पाठ्यक्रमों को 1 से 10 स्तर में बांटा गया है- प्रथम 2 कुशल श्रमिक स्तर के हैं, 3-4 उत्तरदायित्व निवर्हन, 5-6 पर्यवेक्षक व तकनीशियन तथा 7-8 अधिकारी व प्रबंधन स्तर के हैं। डिप्लोमा 5वें, उच्च डिप्लोमा 6, बी.वोक. 7वें तथा एम.वोक. 8वें एवं 9वें स्तर के बराबर है।

बी.वोक. उत्तीर्ण करने के बाद क्या मैं एम.ए./एम.एस-सी./एम.कॉम. में प्रवेश ले सकता/सकती हूँ?

हाँ।

विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर

भारत उन कुछ चुनिंदा देशों में शामिल है जिनकी विकास दर काफी तेज गति से बढ़ रही है। स्वाभाविक है कि आने वाले समय में यहाँ रोजगार के अवसर में भारी वृद्धि होगी। यहाँ की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने स्तार के आधार पर उत्पादन सहायक, क्षेत्र सहायक, तकनीशियन, पर्यवेक्षक, बिक्री अधिकारी, एक्जीक्यूटिव, प्रबंधक आदि पदों के लिए अर्ह होंगे। विशेष जानकारी के लिए संबंधित सेक्टर स्किल काउंसिल की वेव साइट को देखा जा सकता है।

पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषतायें

- चयनित छात्रों को छात्रवृत्ति की सुविधा
- लड़कियों के लिए शत-प्रतिशत छात्रावास की सुविधा
- व्यावसायिक विषयों के साथ-साथ बी.ए./बी.एस.सी./बी.काम. के विषयों का अध्ययन
- विषयों का स्वरूचिनुसार चयन
- कम्प्यूटर/अंग्रेजी/पर्यावरण आदि विषयों का अनिवार्य अध्ययन
- रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम

- स्वरोजगार/उद्योगों/सरकारी व गैरसरकारी उद्यमों में रोजगार पाने में सहायक
- सुनिश्चित रोजगार
- अध्यन के बाद बेकार बै□ने का कोई खतरा नहीं।
- भारत सरकार द्वारा नामित सेक्टर स्किल काउंसित द्वारा दोहरा प्रमाणन
- एस.एस.सी. द्वारा विकसित जाब रोल व राष्ट्रीय मानकों के अनुसार पाठ्यक्रमों का विकास
- डिप्लोमा व उच्च डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का सीधे द्वितीय व तृतीय वर्ष में प्रवेश
- उच्च अध्ययन व सभी प्रतियोगिताओं हेतु बी.वोक. को स्नातक स्तर की मान्यता
- उच्च अध्ययन हेतु एम.ए./एम.एस-सी./एम.काम. के साथ एम.वोक. व पी-एच.डी. का विकल्प
- बहुस्तरीय प्रवेश व निकास सुविधा
- व्यावहारिक अनुभव के लिए उद्योगों में प्रशिक्षण
- प्रवेश हेतु कोई उम्र सीमा का बंधन नहीं

अधिक जानकारी के लिए नीचे की वेवसाइट देखें-

.....

संपर्क सूत्र- इं. राजेश सिन्हा, प्राचार्य, दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)